

Series : ONS/1

कोड नं.
Code No.

61/1/1

रोल नं.

--	--	--	--	--	--	--

Roll No.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

Candidates must write the Code on the title page of the answer-book.

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **10 + 1** मानचित्र हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **17** प्रश्न हैं ।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जायेगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।
- Please check that this question paper contains **10** printed pages + **1** Map.
- Code number given on the right hand side of the question paper should be written on the title page of the answer-book by the candidate.
- Please check that this question paper contains **17** questions.
- **Please write down the Serial Number of the question before attempting it.**
- 15 minute time has been allotted to read this question paper. The question paper will be distributed at 10.15 a.m. From 10.15 a.m. to 10.30 a.m., the students will read the question paper only and will not write any answer on the answer-book during this period.

इतिहास

HISTORY

निर्धारित समय : 3 घंटे

अधिकतम अंक : 80

Time allowed : 3 hours

Maximum Marks : 80

सामान्य निर्देश :

- (1) **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । कुछ प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिये गए हैं । प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने अंकित किए गए हैं ।
- (2) प्रश्न संख्या **1** से **3** दो अंक वाले हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **30** शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए ।
- (3) प्रश्न संख्या **4** से **9** चार अंक वाले हैं । इनमें से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **100** शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए । परीक्षार्थियों को इस खण्ड से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों को हल करना चाहिए ।
- (4) प्रश्न संख्या **10** मूल्य आधारित प्रश्न **अनिवार्य** है, यह प्रश्न भी **चार** अंक का है ।

- (5) प्रश्न संख्या 11 से 13 आठ अंक वाले हैं। इनमें से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 350 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।
- (6) प्रश्न संख्या 14-16 स्रोत आधारित हैं। इनमें कोई आन्तरिक विकल्प नहीं है।
- (7) प्रश्न संख्या 17 मानचित्र सम्बन्धी है, जिसमें लक्षणों को पहचानना तथा महत्वपूर्ण मदों को दर्शाना शामिल है। परीक्षार्थियों को मानचित्र को उत्तर-पुस्तिका के अन्दर नत्थी करना चाहिए।

General Instructions :

- (1) Answer **all** the questions. Some questions have internal choice. Marks are indicated against each question.
- (2) Answer to question nos. 1 to 3 carrying 2 marks should not exceed 30 words each.
- (3) Answer to question nos. 4 to 9 carrying 4 marks should not exceed 100 words. Students should attempt only 5 questions in this section.
- (4) Question 10 (for 4 marks) is a value based question and **compulsory** question.
- (5) Answer to question nos. 11 to 13 carrying 8 marks should not exceed 350 words.
- (6) Questions 14 -16 are sources based questions and have no internal choice.
- (7) Question 17 is a Map question includes 'identification' and 'significant' test items. Attach the map with the answer sheet.

खण्ड – क

PART – A

निम्नलिखित सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

2 × 3 = 6

Answer **all** the questions given below :

- जॉन मार्शल कौन था ? भारतीय पुरातत्त्व में उसने व्यापक परिवर्तन किस प्रकार किया ? **1 + 1 = 2**
Who was John Marshall ? How did he mark a change in the Indian Archeology ?
- लिंगायतों और नयनारों के बीच एक समानता और एक असमानता का उल्लेख कीजिए । **1 + 1 = 2**
Point out one similarity and one dissimilarity between Lingayats and Nayanars.
- 19वीं शताब्दी में भारतीय हिल स्टेशन यूरोपीय लोगों के जातीय अंतःक्षेत्र किस प्रकार बने ? दो कारण स्पष्ट कीजिए । **2**
How did Indian hill stations become racial enclaves for the Europeans in the 19th century ? Explain two reasons.

खण्ड – ख

PART – B

अनुभाग – I

SECTION – I

निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

4 × 5 = 20

Answer any **five** of the following questions :

4. हड़प्पा सभ्यता में 1900 ई.पू. के बाद आए किन्हीं दो बदलावों का उल्लेख कीजिए । ये परिवर्तन कैसे आ सके ? स्पष्ट कीजिए ।

2 + 2 = 4

Mention any two changes that were observed after 1900 BCE in Harappan civilization. What could have brought these changes ? Explain.

5. “ईसा पूर्व प्रथम सहस्राब्दि का काल विश्व इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ माना जाता है ।” न्यायसंगत ठहराइए ।

4

“The mid first millennium BCE is often regarded as a major turning point in world history.” Justify.

6. पुर्तगाली यात्री बरबोसा द्वारा विजयनगर शासन के शहरी केन्द्रों में देखे गए किन्हीं चार पहलुओं पर प्रकाश डालिए ।

4

Highlight any four aspects observed by the Portuguese Traveller Barbosa on the Urban Core of the Vijaynagara Empire.

7. भारतीय सामाजिक और ब्राह्मणिक प्रथाओं को समझने में अल-बिरूनी को जिन अंतर्निहित समस्याओं का सामना करना पड़ा उन्हें स्पष्ट कीजिए । उसको समर्थन में दिए गए किन्हीं दो स्रोतों का उल्लेख कीजिए ।

2 + 2 = 4

State the inherent problems faced by Al-Biruni in the task of understanding Indian Social and Brahmanical practices. Mention any two sources that provided him the support.

8. “हल और कुदाल के बीच की लड़ाई बहुत लंबी चली” । इस कथन को 18वीं सदी के दौरान राजमहल की पहाड़ियों में रहने वाले संथाल और पहाड़ी लोगों के संदर्भ में सिद्ध कीजिए ।

4

“The battle between the hoe and the plough was a long one”. Substantiate the statement with reference to the Santhals and Paharis of Raj Mahal Hills during 18th century.

9. लॉर्ड डलहौजी की अधिग्रहण नीति ने अवध के लोगों में असंतोष किस प्रकार पैदा किया था ? परख कीजिए ।

4

Examine how Lord Dalhousie’s policy of annexation created dissatisfaction amongst the people of Awadh.

अनुभाग – II

SECTION – II

मूल्य आधारित प्रश्न (अनिवार्य)

Value Based Question (Compulsory)

4 × 1 = 4

10. निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्न का उत्तर दीजिए :

“एक मुक्त देश में प्रत्येक नागरिक के साथ ऐसा आचरण किया जाना चाहिए जिससे ‘न केवल उसकी भौतिक आवश्यकताओं की पूर्ति हो बल्कि उसमें स्वाभिमान का आध्यात्मिक भाव भी पैदा हो’ तथा बहुल समुदाय का यह दायित्व है कि वह अल्पसंख्यकों की समस्याओं को समझे, उनकी आकांक्षाओं को महसूस करें।”

स्वतंत्र देश के नागरिक अल्पसंख्यक सदस्यों के साथ समानता और सामाजिक न्याय को आत्मसात करनेवाले मूल्यों की अभिव्यक्ति किस प्रकार करते हैं ? स्पष्ट कीजिए ।

Read the following passage and answer the question that follows :

Every citizen in a free state should be treated in a manner that satisfied not only his material wants but also his spiritual sense of the self respect and the majority community has an obligation to try and understand the problems of the minorities and empathise with their aspiration.

How could a citizen of a free nation express his imbibed values of equality and social justice while dealing with the members of the minority community ? Explain.

खण्ड – ग

PART – C

दीर्घ उत्तर प्रकार प्रश्न

Long Answer Questions

8 × 3 = 24

नीचे दिए गए सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

Answer **all** the questions given below :

11. ‘ग्रामीण भारत में बसे हुए लोगों की खेती के अलावा भी बहुत कुछ था’। कथन को मुगल काल के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए ।

8

अथवा

“अपनी सीमाओं के बावजूद ‘आइन-ए-अकबरी’ अपने समय के लिए एक असामान्य व अनोखा दस्तावेज़ बना हुआ है।” कथन को स्पष्ट कीजिए ।

“There was more to rural India than the sedentary agriculture”. Explain the statement in the context of Mughal Period.

OR

“In spite of the limitations, the Ain-i-Akbari remains an extraordinary document of its time”. Explain the statement.

12. ब्रिटिश भारत के विभाजन के इतिहास को समझने के लिए मौखिक गवाहियों के विशिष्ट पहलुओं का विश्लेषण कीजिए ।

8

अथवा

ब्रिटिश भारत को विभाजित करने वाली विविध घटनाओं की परख कीजिए ।

Analyse the distinctive aspects of the oral testimonies to understand the history of the partition of British India.

OR

Examine various events that led to the partition of British India.

13. छठी शताब्दी ई.पू. से छठी शताब्दी ईसवी की भूमिदान और व्यापार व्यवस्थाओं की व्याख्या कीजिए ।

अथवा

मौर्य साम्राज्य के इतिहास की रचना करने वाले किन्हीं चार स्रोतों को स्पष्ट कीजिए । मौर्य प्रशासन व्यवस्था की परख कीजिए ।

4 + 4 = 8

Explain the system of land grants and trade from C. 600 BCE to 600 CE.

OR

Explain any four sources to reconstruct the history of Mauryas. Examine the system of Mauryan administration.

खण्ड – घ

PART – D

(स्रोत आधारित प्रश्न)

(Source Based Questions)

7 × 3 = 21

14. निम्नलिखित अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

बाघ सदृश पति

यह सारांश महाभारत के *आदिपर्व* से उद्धृत कहानी का है :

पांडव गहन वन में चले गए थे । थक कर वे सो गए; केवल द्वितीय पांडव भीम जो अपने बल के लिए प्रसिद्ध थे, रखवाली करते रहे । एक नरभक्षी राक्षस को पांडवों की मानुष गंध ने विचलित किया और उसने अपनी बहन हिडिम्बा को उन्हें पकड़कर लाने के लिए भेजा । हिडिम्बा भीम को देखकर मोहित हो गई और एक सुंदर स्त्री के वेष में उसने भीम से विवाह का प्रस्ताव किया, जिसे उन्होंने अस्वीकार कर दिया । इस बीच राक्षस वहाँ आ गया और उसने भीम को मल्ल युद्ध के लिए ललकारा । भीम ने उसकी चुनौती को स्वीकार किया और उसका वध कर दिया । शोर सुनकर अन्य पांडव जाग गए । हिडिम्बा ने उन्हें अपना परिचय दिया और भीम के प्रति अपने प्रेम से उन्हें अवगत कराया । वह कुंती से बोली : “हे उत्तम देवी, मैंने मित्र, बांधव और अपने धर्म का भी परित्याग कर दिया है और आपके बाघ सदृश पुत्र का अपने पति के रूप में चयन किया है... चाहे आप मुझे मूर्ख समझें अथवा अपनी समर्पित दासी, कृपया मुझे अपने साथ लें तथा आपका पुत्र मेरा पति हो” ।

अंततः युधिष्ठिर इस शर्त पर इस विवाह के लिए तैयार हो गए कि भीम दिनभर हिडिम्बा के साथ रहकर रात्रि में उनके पास आ जाएँगे । यह दंपति दिन भर सभी लोकों की सैर करते । समय आने पर हिडिम्बा ने एक राक्षस पुत्र को जन्म दिया जिसका नाम घटोत्कच रखा । तत्पश्चात् माँ और पुत्र पांडवों को छोड़कर वन में चले गए किंतु घटोत्कच ने यह प्रण किया कि जब भी पांडवों को उसकी जरूरत होगी वह उपस्थित हो जाएगा ।

कुछ इतिहासकारों का यह मत है कि राक्षस उन लोगों को कहा जाता था जिनके आचार-व्यवहार उन मानदंडों से भिन्न थे जिनका चित्रण ब्राह्मणीय ग्रंथों में हुआ था ।

- | | |
|--|---|
| (14.1) आदिपर्वन् की कहानी समाज के मूल्यों और सदाचार संबंधों को किस प्रकार प्रभावित करती थी ? | 2 |
| (14.2) यह कहानी बहिर्विवाह का एक अनूठा उदाहरण किस प्रकार था ? | 2 |
| (14.3) हिडिम्बा और युधिष्ठिर ने धर्म की व्याख्या किस प्रकार की थी ? | 3 |

Read the following excerpt carefully and answer the questions that follow :

A Tiger – Like Husband

This is a summary of a story from the Adi Parvan of the Mahabharata :

The Pandavas had fled into the forest. They were tired and fell asleep; only Bhima, the second Pandava, renowned for his prowess, was keeping watch. A man-eating Rakshasa caught the scent of the Pandavas and sent his sister Hidimba to capture them. She fell in love with Bhima, transformed herself into a lovely maiden and proposed to him. He refused. Meanwhile, the Rakshasa arrived and challenged Bhima to a wrestling match. Bhima accepted the challenge and killed him. The others woke up hearing the noise. Hidimba introduced herself, and declared her love for Bhima. She told Kunti; “I have forsaken my friends, my dharma and my kin; and good lady, chosen your tiger-like son for my man...whether you think me a fool, or your devoted servant, let me join you, great lady, with your son as my husband.”

Ultimately, Yudhisthira agreed to the marriage on condition that they would spend the day together but that Bhima would return every night. The couple roamed all over the world during the day. In due course Hidimba gave birth to a Rakshasa boy named Ghatotkacha. Then the mother and son left the Pandavas. Ghatotkacha promised to return to the Pandavas whenever they needed him.

Some historians suggest that the term rakshasa is used to describe people whose practices differed from those laid down in Brahmanical texts.

- | | |
|--|---|
| (14.1) How did the story from Adi Parvan play an important role in shaping the values and ethos of the society ? | 2 |
| (14.2) How was this story a unique example of exogamy ? | 2 |
| (14.3) How did Hidimba and Yudhisthira interpret dharma in their context ? | 3 |

15. निम्नलिखित अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

बादशाह तक सुलभ पहुँच

पहले जेसुइट शिष्टमंडल का एक सदस्य मान्सरेट अपने अनुभवों का विवरण लिखते हुए कहता है :

उससे (अकबर से) भेंट करने की इच्छा रखने वाले लोगों के लिए उसकी पहुँच कितनी सुलभ है इसके बारे में अतिशयोक्ति करना बहुत कठिन है । लगभग प्रत्येक दिन वह ऐसा अवसर निकालता है कि कोई भी आम आदमी अथवा अभिजात उससे मिल सके और बातचीत कर सके । उससे जो भी बात करने आता है उन सभी के प्रति कठोर न होकर वह स्वयं को मधुरभाषी और मिलनसार दिखाने का प्रयास करता है । उसे उसकी प्रजा के दिलो-दिमाग से जोड़ने में इस शिष्टाचार और भद्रता का बड़ा असाधारण प्रभाव है ।

- (15.1) जेसुइट कौन थे ? भारत में इन्होंने अपना प्रसार किस प्रकार किया ? 2
- (15.2) मान्सरेट ने अकबर के बारे में अपने अनुभवों का विवरण किस प्रकार किया था ? 2
- (15.3) अकबर के शिष्टाचार ने किस प्रकार उसकी प्रजा को मिलनसार बनाया ? स्पष्ट कीजिए । 3

Read the following excerpt carefully and answer the questions that follow :

The Accessible Emperor

In the account of his experiences, Monserrate, who was a member of the first Jesuit mission, says : It is hard to exaggerate how accessible he (Akbar) makes himself to all who wish audience of him. For he creates an opportunity almost every day for any of the common people or of the nobles to see him and to converse with him; and he endeavours to show himself pleasant-spoken and affable rather than severe towards all who come to speak with him. It is very remarkable how great an effect this courtesy and affability has in attaching him to the minds of his subjects.

- (15.1) Who were Jesuits ? How did they establish their network in India ? 2
- (15.2) How did Monserrate accord his experience about the Akbar ? 2
- (15.3) How had Akbar's courtesy brought affability for his subjects ? Explain. 3

16. निम्नलिखित अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

नमक सत्याग्रह क्यों ?

नमक विरोध का प्रतीक क्यों था ? इसके बारे में महात्मा गांधी ने लिखा है : प्रतिदिन प्राप्त होने वाली सूचनाओं से पता चलता है कि कैसे अन्यायपूर्ण तरीके से नमक कर को तैयार किया गया है । बिना कर (जो कभी-कभी नमक के मूल्य का चौदह गुना तक होता था) अदा किए गए नमक के प्रयोग को रोकने के लिए सरकार उस नमक को, जिससे वह लाभ पर नहीं बेच पाती थी, नष्ट कर देती थी । अतः यह राष्ट्र की अत्यधिक महत्वपूर्ण आवश्यकता पर कर लगाती है; यह जनता को इसके उत्पादन से रोकती है और प्रकृति ने जिसे बिना किसी श्रम के उत्पादित किया है उसे नष्ट कर देती है । अतः किसी भी वजह से किसी चीज़ को स्वयं प्रयोग न कर पाने तथा अन्य को भी उसका प्रयोग न करने देने तथा ऐसे में उस चीज़ को नष्ट कर देने की इस अन्यायपूर्ण नीति को किसी भी विशेषण द्वारा नहीं बताया जा सकता है । विभिन्न स्रोतों से मैं भारत के सभी भागों में इस राष्ट्र संपत्ति को बेलगाम ढंग से नष्ट किए जाने की कहानियाँ सुन रहा हूँ । टनों न सही पर कई मन नमक कोंकण तट पर नष्ट कर दिया गया बताया गया है । दाण्डी से भी इस तरह की बातें पता चली हैं । जहाँ कहीं भी ऐसे क्षेत्रों के आस-पास रहने वाले लोगों द्वारा अपने व्यक्तिगत प्रयोग हेतु प्राकृतिक नमक उठा ले जाने की संभावना दिखती है वहाँ तुरंत अधिकारी नियुक्त कर दिए जाते हैं जिनका एकमात्र कार्य विनाश करना होता है । इस प्रकार बहुमूल्य राष्ट्रीय संपदा को राष्ट्रीय खर्च से ही नष्ट किया जाता है और लोगों के मुँह से नमक छीन लिया जाता है ।

नमक एकाधिकार एक तरह से चौतरफा अभिशाप है । यह लोगों को बहुमूल्य सुलभ ग्राम उद्योग से वंचित करता है, प्रकृति द्वारा बहुतायत में उत्पादित संपदा का यह अतिशय विनाश करता है । इस विनाश का मतलब ही है और अधिक राष्ट्रीय खर्च । चौथा और इस मूर्खता का चरमोत्कर्ष भूखे लोगों से हजार प्रतिशत से अधिक की उगाही है ।

सामान्य जन की उदासीनता की वजह से ही लम्बे समय से यह कर अस्तित्व में बना रहा है । आज जनता पर्याप्त रूप से जग चुकी है अतः इस कर को समाप्त करना होगा । कितनी जल्दी इसे खत्म कर दिया जाएगा यह लोगों की क्षमता पर निर्भर करता है ।

दि कलेक्टेड वर्क्स ऑफ महात्मा गांधी (सी. डब्ल्यू. एम. जी) खंड 49

- | | |
|---|---|
| (16.1) अंग्रेजों द्वारा प्रस्तावित नमक एकाधिकार को भारतीयों ने अभिशाप क्यों समझा ? | 2 |
| (16.2) नमक एकाधिकार के संदर्भ में गांधीजी ने कुशल समझदारी की व्याख्या किस प्रकार की ? | 2 |
| (16.3) गांधीजी की नमक विरोधी चुनौती का महत्त्व स्पष्ट कीजिए । | 3 |

Read the following excerpt carefully and answer the questions that follow :

Why the Salt Satyagraha ?

Why was salt the symbol of protest ? This is what Mahatma Gandhi wrote : The volume of information being gained daily shows how wickedly the salt tax has been designed. In order to prevent the use of salt that has not paid the tax which is at times even fourteen times its value, the Government destroys the salt it cannot sell profitably. Thus it taxes the nation's vital necessity; it prevents the public from manufacturing it and destroys what nature manufactures without effort. No adjective is strong enough for characterising this wicked dog-in-the-manger policy. From various sources I hear tales of such wanton destruction of the nation's property in all parts of India. Maunds if not tons of salt are said to be destroyed on the Konkan coast. The same tale comes from Dandi. Wherever there is likelihood of natural salt being taken away by the people living in the neighbourhood of such areas for their personal use, salt officers are posted for the sole purpose of carrying on destruction. Thus valuable national property is destroyed at national expense and salt taken out of the mouths of the people.

The salt monopoly is thus a fourfold curse. It deprives the people of a valuable easy village industry, involves wanton destruction of property that nature produces in abundance, the destruction itself means more national expenditure, and fourthly to crown this folly, an unheard-of tax of more than 1,000 per cent is exacted from a starving people.

This tax has remained so long because of the apathy of the general public. Now that it is sufficiently roused, the tax has to go. How soon it will be abolished depends upon the strength of the people.

The Collected Works of Mahatma Gandhi (CWMG), Vol. 49

- | | |
|---|---|
| (16.1) Why was salt monopoly introduced by the British considered as a curse by the Indians ? | 2 |
| (16.2) How did Gandhiji illustrate his tactical wisdom with regard to salt monopoly ? | 2 |
| (16.3) Explain the significance of Gandhiji's challenge of salt protest. | 3 |

खण्ड – ड

PART – E

मानचित्र प्रश्न / Map Question

17. (17.1) भारत के दिए हुए राजनीतिक रेखा-मानचित्र पर निम्नलिखित को उपयुक्त चिह्नों से दर्शाइए तथा उनके नाम लिखिए : **1 × 2 = 2**
- (a) राखी गढ़ी
- (b) आगरा – मुगलों का राजधानी शहर
- (17.2) भारत के दिए गए इसी राजनीतिक रेखा-मानचित्र पर भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के महत्वपूर्ण केन्द्र A, B और C अंकित किए गए हैं। उन्हें पहचानिए तथा उनके निकट खींची गई रेखाओं पर उनके सही नाम लिखिए। **1 × 3 = 3**
- (17.1) On the given political outline map of India, locate and label the following with appropriate symbols : **1 × 2 = 2**
- (a) Rakhigarhi
- (b) Agra, the imperial capital of Mughal
- (17.2) On the same outline map of India three centres related to the Indian National Movement have been marked as A, B and C. Identify them and write their correct names on the lines drawn near them. **1 × 3 = 3**

नोट : निम्नलिखित प्रश्न केवल **दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों** के लिए प्रश्न संख्या **17** के स्थान पर है :

- (17.1) किसी एक विकसित हड़प्पा पुरास्थल का उल्लेख कीजिए।
- (17.2) मुगल साम्राज्य के किसी एक राजधानी शहर का उल्लेख कीजिए।
- (17.3) भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन से जुड़े किन्हीं तीन महत्वपूर्ण केन्द्रों के नाम लिखिए। **1 + 1 + 3 = 5**

Note : The following questions are for **visually impaired candidates** only in lieu of Q. No. 17.

- (17.1) Name any one mature Harappa Site.
- (17.2) Name any one capital city of Mughal Empire.
- (17.3) Name any three important centres related with Indian National Movement.

1 + 1 + 3 = 5

----- Cut Here ----- यहाँ से काटें ----- Cut Here -----

प्रश्न सं. 17 के लिए मानचित्र
Map for Q. No. 17



